BACHELOR OF ARTS (B.A.)

(THREE YEAR DEGREE COURSE)

SUBJECT

GENERAL SANSKRIT

B.A. (GENERAL SANSKRIT)

COURSE STRUCTURE

FIRST YEAR

PAPER – 101: पाठ्य ग्रन्थ एवं व्याकारण 50 MARKS

PAPER – 102: संस्कृत–भाशा–नैपुण्य –1 50 MARKS

SECOND YEAR

PAPER – 201: संस्कृत–भाषा नैपुण्य –2 50 MARKS

PAPER – 202: संस्कृत– भाषा नैपुण्य –3 50 MARKS

THIRD YEAR

PAPER – 301: संस्कृत–भाशा नैपुण्य –4 50 MARKS

PAPER – 302: संस्कृत–भाशा नैपुण्य –5 50 MARKS

B.A. (GENERAL SANSKRIT)

FIRST YEAR DETAILED SYALLBUS

PAPER – 101

पाठ्य ग्रन्थ एवं व्याकारण

प्रथम खण्ड :

(अ) भाब्दरूप : राम, भानु, कवि, पितृ, लता, मति, नदी, फल, वारि, मधु, जगत्, सर्व, युश्मद् तथा अस्मद्

(ब) धातु रूप : पठ्, पच्, भू., कृ, अस्, क्री, चुर, सेव्

द्वितीय खण्ड :

(अ) हितोपदे□ा (मित्रलाभ) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद

(ब) भाुक्रनासोपदे□ा : संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद

तृतीय खण्ड : लघु सिद्धांत कौमुदी

(प्रत्याहार सूत्र, संज्ञाप्रकरण)

चतुर्थ खण्ड :

(अ) हिन्दी से संस्कृत अनुवाद

(ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद

B.A. (GENERAL SANSKRIT)

FIRST YEAR DETAILED SYALLBUS

PAPER – 102

संस्कृत–भाशा–नैपुण्य

प्रथम खण्ड : संस्कृत– वाग्व्यवहार

पाठ्य पुस्तक हितोपदे□ा (मित्रलाभ) तथा स्वप्न वासवदत्तम् –

प्रत्येक पुस्तक से 15–15 भलोक क्ण्ठाग्र करके लिखे।

द्वितीय खण्ड : स्वप्नवासवदत्तम्–संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद

तृतीय खण्ड :लघुसिद्धान्त कौमुदी – अच् सन्धि

चतृर्थ खण्ड :निबन्ध (संस्कृत में पन्द्रह पंक्ति)

B.A. (GENERAL SANSKRIT)

SECOND YEAR DETAILED SYALLBUS

PAPER – 201

संस्कृत–भाशा–नैपुण्य

प्रथम खण्ड : पाठ्यग्रन्थ (संस्कृत से हिन्दी मं अनुवाद)

(अ) रघुवं□ाम् (प्रथम सर्ग)

(ब) ऋग्वेद (1.1) अथर्ववेद (1.2)

द्वितीय खण्ड : वाच्य (कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य, भाववाच्य)

तृतीय खण्डः व्याकरण

लघुसिद्धान्त कौमुदी – समास प्रकरण

चतुर्थ खण्ड :अनुवाद

(अ) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद

(ब) संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद

B.A. (GENERAL SANSKRIT)

SECOND YEAR DETAILED SYALLBUS

PAPER – 202

संस्कृत–भाशा–नैपुण्य

प्रथम खण्ड : कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्ग)

संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद

द्वितीय खण्ड : व्याकरण

लघुसिद्धान्त कौमुदो–तिङन्त प्रकरण भू एवं एध् धातु

तृतीय खण्ड :अलंकार (काव्यदीपिका)

अनुप्रास, चमक, भलेश, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, विभावना,
वि□ोशोक्ति, सन्देह एवं भ्रान्तिमान्।

चतृर्थ खण्ड :अर्थावबोध

अपठित संस्कृत के गद्यां□ा अथवा भलोको के आधार पर संस्कृत मं प्र□नोत्तर।

B.A. (GENERAL SANSKRIT)

THIRD YEAR DETAILED SYALLBUS

PAPER – 301

संस्कृत–भाशा–नैपुण्य

प्रथम खण्ड : महाभारतः–ाान्तिपर्व अध्याय (192)

द्वितीय खण्ड : संस्कृत साहित्य का इतिहास

(नाटक, महाकाव्य, गीतिकाव्य एवं कथा साहित्य)

तृतीय खण्ड :स्त्री प्रत्यय एवं तद्धित प्रत्यय (अपत्यार्थ, मत्वर्थीय)

चतुर्थ खण्ड :अर्थावबोध

अपठित संस्कृत गद्यांा एवं भलोको के आधार पर

संस्कृत में प्रनोत्तर

पंचम खण्ड : अनुवाद – हिन्दी से संस्कृत

B.A. (GENERAL SANSKRIT)

THIRD YEAR DETAILED SYALLBUS

PAPER – 302

संस्कृत–भाशा–नैपुण्य

प्रथम खण्ड : साहित्यदर्पण (प्रथम परिच्छेद)

द्वितीय खण्ड : रामायण (बालकाण्ड–प्रथम सर्ग)

तृतीय खण्ड :लौकिक एवं वैदिक संस्कृत का सामान्य परिचय

चतुर्थ खण्ड :अर्थावबोध

अपठित संस्कृत गद्यां□ा एवं भलोको क आधार पर

संस्कृत में प्र□नोत्तर